



# ਚਨਿਆਕ ਸਾਲ

ਬੰਦ : 12 ਅੰਕ : 275 ਪ੍ਰਾਤਿ -4 ਦਿਨਾਂਕ 02 ਅਕਤੂਬਰ 2024 ਦਿਨ ਬੁਧਵਾਰ

## गांधी जयंती पर आंसू बहाने वाले सपा नेता की नई नौटंकी, टैपो में छुपाकर ले जा रहे थे मूर्ति

उत्तर प्रदेश के संभल में गांधी जयंती के अवसर पर एक बार फिर से समाजवादी पार्टी के नेता फिरोज खान की नई नौटंकी सामने आई है। जिसमें सपा नेता टैंपों के अंदर मरीज के साथ गांधी



की मूर्ति को छुपाकर ले जाने की कोशिश कर रहे थे, जिसके बाद पुलिस के साथ उनकी नोंक-झोंक हो गईं। बताया जा रहा है कि वो इस मूर्ति को छुपाकर

टैंपो में ले जा रहे थे ताकि उसे पार्क में स्थापित कर सकें लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। सपा नेता फिरोज खान ने गांधी जयंती पर नौटंकी करते हुए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति को एक टैम्पो में रखा और उसमें एक स्टेचर पर एक आदमी को मरीज बना कर लिटा दिया। जिसे ड्रिप भी लगी हुई थी। सपा

नेता बापू की मूर्ति को टैम्पो में छुपा कर उसे पार्क में लगाने जा रहे थे तभी पुलिस ने चौधरी सराय इलाके में टेम्पो को रोक लिया। गांधी जयंती पर सपा नेता की नई नौटंकी पुलिस ने जब इस टैम्पो में तलाशी ली तो उसमें गांधी की मूर्ति मिली।

उन्होंने टैपों को एंबुलेंस का लुक देने के लिए उसमें मरीज को भी लिटाया था लेकिन, पुलिस ने जब उन्हें पकड़ लिया तो वो बहस करने लगे. इस दौरान पुलिस और सपा नेता के बीच नोंक-झोंस भी शुरू हो गई. काफी देर तक हंगामा चलता रहा. काफी समझाने के बाद सपा नेता से गांधी की मूर्ति ले गई और उसे सपा कार्यालय में रखवा दिया गया.

अयोध्या में रामलला के दर्शन, आरती का समय बदला



शारदीय नवरात्र को देखते हुए ये भक्तों की सुविधाओं को  
ध्यान में रखकर ये बदलाव किया गया

यूपी के खादी आश्रमों में उत्पादों पर अगले 108 दिन तक मिलेगी बड़ी छूट, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ किया ऐलान

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर राजधानी लखनऊ स्थित गांधी आश्रम में चरखा चलाया। इस दौरान सीएम ने कहा कि गांधी आश्रम में 108 दिन तक खादी के उत्पादों पर 25 फीसदी छूट दी जाएगी। सीएम



बापू की जयंती पर जीपीओ स्थित उनकी प्रतिमा पर की पुष्पांजलि की। इसके बाद उन्होंने शाड़ी लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। सीएम ने पूर्वीएम लाल बहादुर शास्त्री को भी न मनन किया। सीएम ने कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी आजादी के महानायक थे। महात्मा गांधी द्वारा राष्ट्र और मानवता के लिए किए गए उनके योगदान के प्रति देश कृतज्ञता ज्ञापित कर रहा है। सीएम गांधी की जयंती पर लखनऊ स्थिति क्षेत्रीय गांधी आश्रम भी पहुंचे, यहाँ उन्होंने चरखा चलाया और भजनों का आनंद लिया। सीएम ने यहाँ खादी के बस्त्रों की खरीदारी कर औंनलाइन पर्मेंट किया। सीएम ने अपने संबोधन में कहा कि स्वदेशी जब तक भारत की आजादी का मंत्र नहीं बना था, तब तक आजादी की लड़ाई एकजुट होकर नहीं दिख रही थी। भारत की आजादी के आंदोलन के साथ महात्मा गांधी का जुड़ना और उसे स्वदेशी के साथ जोड़ने का जो अभियान

की बजाय स्थानीय उत्पादों को प्राथमि-  
कता दें। सीएम योगी ने खादी आश्रम में  
पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को  
भी उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित  
की। उन्होंने कहा कि शास्त्री जी  
राष्ट्रपिता के अनन्य भक्त व अनुयायी थे।  
वे गांधी जी के आह्वान पर देश के आ-  
जादी के आंदोलन में जुड़े थे। उन्हें 1964  
में प्रधानमंत्री के रूप में देश की सेवा क  
अवसर प्राप्त हुआ। देश खाद्यान्न सुरक्षा  
के मामले में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को  
प्राप्त कर सके, उसका परिणाम शास्त्री  
जी के छोटे कार्यकाल के दौरान भी  
देखने को मिला। उन्होंने कहा कि  
1965 में दुश्मन देश द्वारा थोपे गए युद्ध  
का जवाब भारत ने तो जरियता के साथ  
दिया था। यह देश के उस स्वरूप को  
दिखाता है कि विश्व मानवता के कल्याण  
के लिए कार्य करेंगे, लेकिन हमारी  
सीमाओं पर कोई अतिक्रमण करेगा तो  
उसका मुहंतोड़ जवाब भी देंगे।

56 साल बाद बर्फ में ढबा  
मिला सेना के जवान का  
पार्थिव शरीर, दोहतांग दरै  
में विमान दुर्घटना में हुए  
थे लापता

उत्तराखण्ड के चमोली जिले के नारायण सिंह 56 साल पहले एक विमान दुर्घटना में लापता हो गए थे, सालों बाद उनका पार्थिव शरीर अब उनके गांव पड़ुचरे वाला है। नारायण सिंह, चमोली के थराली तहसील के कोलपुड़ी गांव के रहने वाले हैं। साल 1968 में हिमाचल प्रदेश के रोहतांग दर्रे में भारतीय वायुसेना का ४७-१२ विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था, जिसमें नारायण सिंह भी सवार थे। इस घटना के बाद वह लापता थे और परिवार को उनकी कोई सूचना नहीं मिली थी। अब 56 साल बाद बर्फ में दबे हुए चार सैनिकों के अवशेष पाए गए हैं, जिनमें से एक नारायण सिंह का शव भी शामिल है। गांव के प्रधान और

नारायण सिंह के भतीजे जयवीर सिंह ने बताया कि सोमवार को सेना के अधिकारियों ने उन्हें सुचित किया कि उनके चाचा नारायण सिंह की पहचान हो चुकी है। परस में मिले कागज से शिनखतजयवीर सिंह के मुताबिक, उनके परस में मिले एक कागज पर उनका नाम और उनकी पत्नी बसंती देवी का नाम दर्ज था। इसके अलावा उनकी वर्दी पर नेम प्लेट भी लगी हुई थी। सेना ने नारायण सिंह के शव को बर्फ से बाहर निकालने के बाद उसे संरक्षित किया है, क्योंकि शव गलने लगा था। सेना ने शव के डीएनए जांच के लिए सैंपल लिया है रिकॉर्ड के अनुसार, नारायण सिंह सेना के मेडिकल कोर में तैनात थे और उन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका

त्योहारों से पहले योगी सरकार का बड़ा  
. तोहफा, कर दिया ऐलान

A video still of Bhupender Singh Hooda, a man with a shaved head wearing a yellow kurta, gesturing while speaking at a podium. The Indian flag is visible in the background.

अयोध्या में 9 दिनों तक मांस की बिक्री पर रोक, सीएम योगी ने जारी किया फरमान



उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अयोध्या में नवरात्रि को लेकर नौ दिनों तक मांस पौर मदिरा बिक्री पर पाबंदी लगा दी है। योगी सरकार का यह आदेश तीन से 11 अक्टूबर तक प्रभावी रूप से लागू रहेगा। आदेश के अनुसार अयोध्या जनपद में मांस की बिक्री पर रोक है और अगर ऐसा किया जाता है, तो उसके ऊपर खाद्य सुरक्षा एवं जनक अधिनियम-2006 के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि मंगलवार को डिडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के 10 में जिला स्तर पर बेहतर कानून—व्यवस्था निर्देश दिया कि सभी जिले विगत वर्षों में व्यवस्था बनाएं कि इस वर्ष शारदीय नवरात्रि से अंत में मांस की बिक्री अथवा अवैध स्लाटर लेले में भास की बिक्री अथवा अवैध स्लाटर भास—मदिरा की दुकानें ना हों। मदिरा की रखें। योगी सरकार द्वारा जारी निर्देश में भीड़ उमड़ेगी। इसका ध्यान रखते हुए हारनपुर में मां शाकुम्भरी मंदिर, वाराणसी में तांत्रिकों के दृष्टिगत बेहतर प्रबंध होने चाहिए।

आत्म सरकार किया जाएगा। पल्टा का 2011 में हुआ निधन नारायण सिंह की पत्नी बसंती देवी ने 42 साल तक अपने पति का इंतजार किया, लेकिन उन्हें कोई खबर नहीं मिली। इससे पहले नारायण सिंह की पत्नी बसंती देवी का साल 2011 में निधन हो गया है। नारायण सिंह के साथी सूबेदार गोविंद सिंह, सूबेदार हीरा सिंह बिष्ट और भवान सिंह नेंगी ने बताया कि नारायण सिंह बेहद सौम्य स्वभाव के व्यक्ति थे और व्यवस्था से ही सेना के प्रति उनका जुनून था। उनका सपना देश की सेवा करना था, जिसे उन्होंने 1965 के युद्ध में निभाया। टेलीग्राम से मिली थी जानकारी नारायण सिंह के लापता होने की खबर एक टेलीग्राम के माध्यम से उनके परिवार को मिली थी, जिसमें बताया गया था कि विमान लापता हो गया है। इसके बाद परिवार लगातार इंतजार करता रहा लेकिन कोई जानकारी नहीं मिली। अब 56 साल बाद, उनके शव की पहचान होने से परिवार को थोड़ी राहत मिली है लेकिन पत्नी बसंती देवी का यह इंतजार अधूरा रह गया। यह घटना न केवल नारायण सिंह के परिवार के लिए भावनात्मक है, बल्कि पूरे गांव के लिए दखदायी पहल है।





## आईटी सेक्टर बनेगा तारणहार, 1.5 लाख नौकरी देने के लिए तैयार, एंट्री लेवल फ्रेशर्स को मौका

देश में नौकरी की समस्या को लेकर काफी समय से चिंता और आरोप-प्रत्यारोप से लेकर चर्चा-मंथन का दौर चल रहा है। पिछले कुछ समय से खबरें आ रही थीं कि आईटी कंपनियों ने फ्रेश हायरिंग के एप्लाइज के सैलरी कम कर दिए हैं और इसमें देश की नामी-गिरामी टेक कंपनियों के नाम शामिल रहे। हालांकि अब इसी आईटी सेक्टर की ओर से अच्छी खबर आ रही है जो खासतौर से फ्रेशर्स के लिए अच्छा मौका बनकर उभर रहा है। आईटी सेक्टर में आने वाले समय में कुछ हजार नहीं बल्कि लाखों



नौकरियों की बयार आने वाली है। आईटी सेक्टर में होंगे डेढ़ लाख जॉब के मौके आईटी सेक्टर में फ्रेशर हायरिंग ट्रेंड में ये बदलाव साल 2023-24 की सुरक्षा के बाद देखने को मिल रहा है। आईटी फर्म्स में इस साल बंपर हायरिंग की

उम्मीद है और इसके तहत 1.50 लाख के करीब टेक्निकल जॉब्स आने वाली है, ऐसा कई स्टाफिंग फर्म्स और ह्यूमन रिसोर्स संस्थानों के सर्वे के बाद देखने को मिला है। टीमलीज जैसी कई टेक्निकल हायरिंग संबंधित

फर्मों ने कुछ समय पहले भी आईटी फर्मों में ग्लोबल और घरेलू के मौके बनने का अनुमान दिया था। क्यों इन्फॉर्मेशन टेनक्नोलॉजी सेक्टर में मिलेंगे फ्रेशर्स को मौके आईटी सेक्टर में अच्छी खासी जॉब हायरिंग होने की उम्मीद इसलिए है

क्योंकि साल 2022 की तुलना में साल 2023-24 में जितनी हायरिंग हुई, वो 100 फीसदी से भी कम की है। जहां साल 2022 में 2.30 लाख जॉब हायरिंग हुई वो साल 2023-24 में घटकर 60,000 रह गई और इनमें साथ-साथ फ्रेशर्स की हायरिंग भी काफी कम रही। इस साल यानी 2024-25 में साल 2022 की तर्ज पर हायरिंग होने की उम्मीद है। इस साल अब तक जितनी आईटी सेक्टर हायरिंग हुई है वो 100 फीसदी से भी ज्यादा बढ़ने की उम्मीद है। आईटी सेक्टर में किसी सेगमेंट में मिलेगी नौकरी बैंकिंग, फाइनेंशियल सर्विसेज और इंश्योरेंस सेक्टर में इस समय सबसे ज्यादा नौकरी के मौके बन रहे हैं। दरअसल अमेरिकी फेडरल रिजर्व और यूरोप के कई सेंट्रल बैंकों ने ब्याज दरों में कटौती की है और इसके बाद ग्लोबल आईटी कंपनियों के खर्च में इजाफा होने की उम्मीद है। ऐसा होने पर आईटी कंपनियों के लिए मानव संसाधन यानी ह्यूमन रिसोर्स की जरूरत पड़ेगी और एंट्री लेवल पर ये हायरिंग ज्यादा बड़ी होने की आशा की किरण बन रही है।

## आजाद भारत के पहले रुपये पर नहीं थी महात्मा गांधी की फोटो, इन लोगों के नाम की हुई थी चर्चा



किसी भी देश की करेंसी वहां की संस्कृति, इतिहास और गौरव का प्रतीक होती है। इस पर मौजूद तस्वीरों के जरिए देश की खासियतों को सम्मान दिया जाता है। भारत में 10 रुपये से लेकर 500 रुपये तक के नोटों पर अलग-अलग प्रतीकों के चिन्ह इसी का प्रतीक हैं। करेंसी के जरिए दुनियाभर में देशों ने अपने संस्थापकों की फोटो लगाकर उनका आभार व्यक्त किया है। भारत में हर नोट पर महात्मा गांधी, अमेरिका में जॉर्ज वाशिंगटन

**1/4 George Washington 1/2]**

पाकिस्तान में मोहम्मद अली जिन्ना और चीन में माओ जेदोंग की फोटो लगी होती है। मगर, क्या आप जानते हैं कि भारतीय नोटों पर पहले महात्मा गांधी की बजाय किसी और की फोटो लगाई जानी थी। हालांकि, बाद में वह फैसला बदल दिया गया। आइए महात्मा गांधी के जन्मदिन पर इस बारे में विस्तार से जान लेते हैं। सारनाथ के अशोक स्तंभ को दी गई थी पहले नोट पर जगह रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, भारत को 15 अगस्त, 1947 को आजादी मिलने के बाद भारतीय रुपये के लिए प्रतीक चिन्हों पर मंथन शुरू हुआ। इसके बाद 26 जनवरी, 1950 को भारत एक रिपब्लिक बन गया। इस दौरान आरबीआई नोट जारी करता रहा। भारत सरकार ने 1949 में 1 रुपये के नोट का नया डिजाइन निकाला। इसमें स्वतंत्र भारत के लिए प्रतीकों का चयन करना था। शुरुआत में चर्चा हुई कि महात्मा गांधी का चित्र लगाया जाए। कुछ डिजाइन भी तैयार हुए। इसके बाद आम सहमति से सारनाथ के अशोक स्तंभ को नोटों पर जगह मिली। 1969 में पहली बार रुपये पर लगी महात्मा गांधी की फोटो आजादी के बाद कई वर्षों तक नोटों पर भारत की समृद्ध विरासत और प्रगति का जश्न मनाया जाता रहा। 1950 और 60 के दशक के नोटों में बाघ और हिरण जैसे जानवरों की तस्वीर लगाई गई। इसके अलावा हीराकुड बांध (भृत्यांनक कंड) और आर्यभट्ट सैटलाइट को भी नोटों पर जगह दी गई। साल 1969 में महात्मा गांधी की जन्म शताब्दी के अवसर पर पहली बार उनके चित्र को भारतीय रुपये पर जगह मिली। इसमें गांधीजी को बैठे हुए दिखाया गया है और पीछे उनका सेवाग्राम आश्रम दिख रहा है।

नोट पर इन लोगों के चित्र लगाने पर भी हो चुकी है चर्चा। साल 1987 में राजीव गांधी की सरकार ने 500 रुपये के नोट शुरू किए। पहली बार महात्मा गांधी को 500 के नोट पर जगह दी गई। इसके बाद आरबीआई ने 1996 में महात्मा गांधी सीरीज शुरू की। इसके साथ ही राष्ट्रपिता की तस्वीर हर नोट पर आ गई। इसके अलावा जवाहरलाल नेहरू सुभाष चंद्र बोस सरदार पटेल के अलावा देवी लक्ष्मी (सीउप) और भगवान गणेश (लंदमीं) को भी नोटों पर जगह देने की चर्चा उठ चुकी है।

